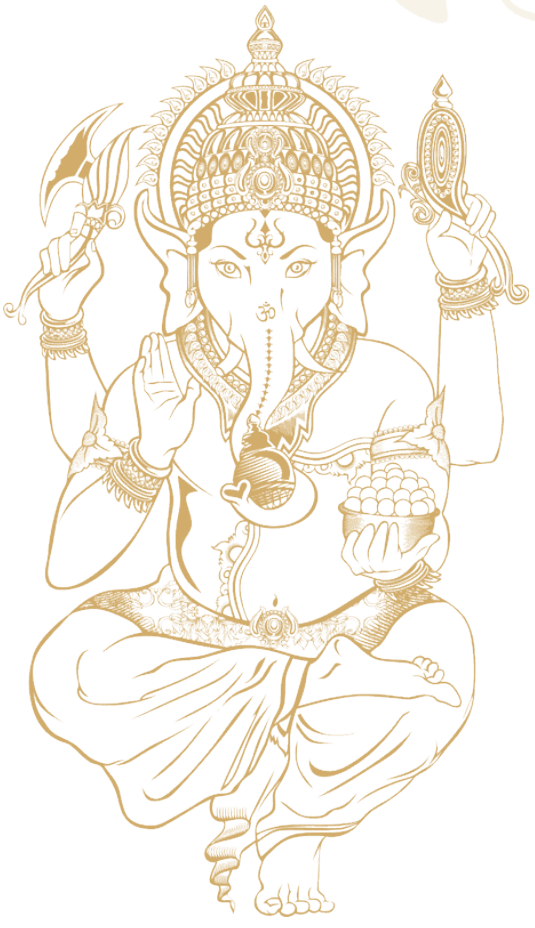

Naman

Deepika

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120313002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/08/1996	जन्म तिथि	10-11/08/1998
गुरुवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 15:00:00	जन्म समय	04:35:00 घंटे
घटी 22:44:45	जन्म समय(घटी)	56:59:06 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Ludhiana
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	30:56:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	75:52:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:26:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:54:06	सूर्योदय	05:49:11
18:54:19	सूर्यास्त	19:14:05
23:48:40	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:08

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 11वर्ष 1मा 24दि		03:26:25	धनु	लग्न	कर्क	07:43:34	गुरु 1वर्ष 0मा 0दि	
केतु		05:45:07	सिंह	सूर्य	कर्क	24:16:10	बुध	
16/10/2024		08:50:32	वृश्चि	चंद्र	मीन	02:29:56	11/08/2018	
17/10/2031		24:26:26	मिथु	मंगल	मिथु	29:47:12	11/08/2035	
केतु	14/03/2025	03:03:27	कन्या	बुध व	कर्क	29:38:48	बुध	07/01/2021
शुक्र	14/05/2026	14:14:37	धनु व	गुरु व	मीन	03:18:16	केतु	04/01/2022
सूर्य	19/09/2026	20:00:53	मिथु	शुक्र	कर्क	03:12:16	शुक्र	04/11/2024
चन्द्र	20/04/2027	12:37:14	मीन व	शनि	मेष	09:46:20	सूर्य	10/09/2025
मंगल	16/09/2027	14:51:48	कन्या व	राहु	सिंह	07:37:46	चन्द्र	10/02/2027
राहु	04/10/2028	14:51:48	मीन व	केतु	कुंभ	07:37:46	मंगल	07/02/2028
गुरु	10/09/2029	07:43:47	मक व	हर्ष व	मक	16:37:34	राहु	26/08/2030
शनि	19/10/2030	01:41:02	मक व	नेप व	मक	06:27:19	गुरु	01/12/2032
बुध	17/10/2031	06:33:43	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	11:28:06	शनि	11/08/2035

लग्न-चलित

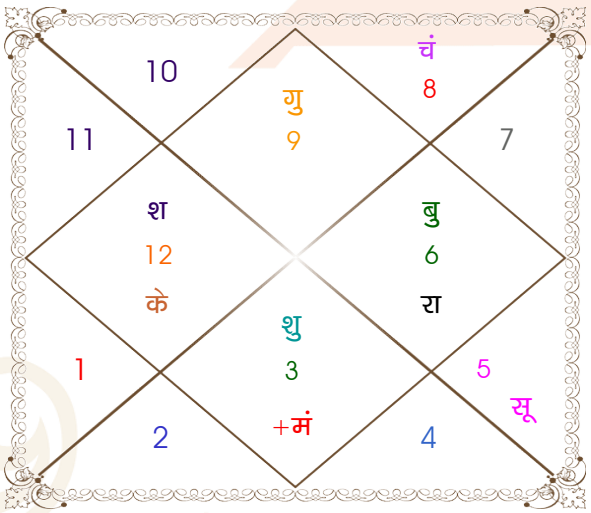

लग्न-चलित

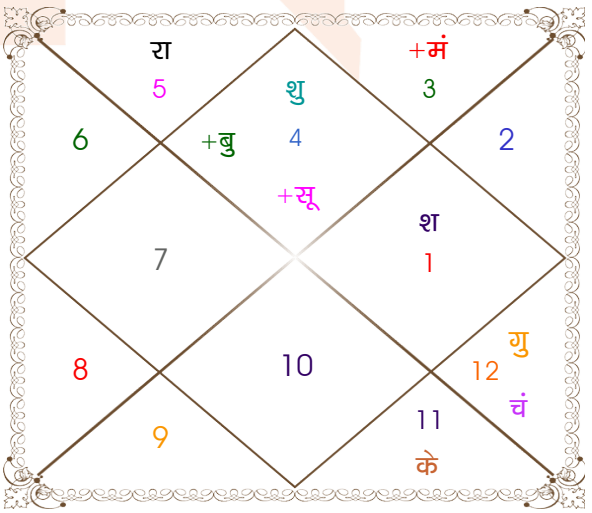

HARE KRISHNA ASTRO
ASTROLOGER SANDEEP ARORA
Shiffali Park Street , Sunder Nagar
Ludhiana .
9877727067

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

छंउंद का वर्ग सर्प है तथा क्ममचपां का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार छंउंद और क्ममचपां का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

छंउंद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि छंउंद कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

क्ममचपां मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल क्ममचपां कि कुण्डली में द्वादश भाव में मिथुन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

छंउंद तथा क्ममचपां में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।